

Valuation of Goodwill (2)

Objectives

1. रत्नाति निर्धारण की वैज्ञानिक विधि है :

- (a) अधिलानों का पूंजीकरण विधि (b) वार्षिक औसत लाभों का क्रम विधि
- (c) आभकर अधिनियम में वर्णित विधि (d) वार्षिक प्रति विधि

Ans → (d)

02. वर्षों के क्रम विधि से रत्नाति का मूल्यांकन करने पर लाभान्वित पक्ष होता है :

- (a) क्रेता (b) विक्रेता (c) मूल्यांकनकर्ता (d) सरकार

Ans → (b)

03. वार्षिक प्रति विधि सर्वोत्तम है क्योंकि :

- (a) क्रेता - विक्रेता किसी भी पक्षकार को हानि नहीं होती
- (b) व्याज तत्व को ध्यान में रखा जाता है
- (c) इ के वर्तमान मूल्य पर आधारित है
- (d) उपर्युक्त सभी

Ans → (d)

04. किस विधि से ज्ञात किया गया रत्नाति का मूल्य अधिक होता है :

- (a) वर्षों का क्रम विधि (b) वार्षिक प्रति विधि
- (c) पूंजीकरण विधि (d) तीनों विधियों में समान

Ans → (c)

05. वार्षिक प्रति विधि से ज्ञात रत्नाति का मूल्य अधिलानों की क्रम विधि से ज्ञात मूल्य से :

- (a) कम होता है (b) अधिक होता है (c) बराबर होता है (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans → (a)

16. स्वामि निर्धारण में भारत औसत विधि का प्रयोग किया जाता है जब लाभ:

- (a) निरन्तर कम होते हों (b) निरन्तर बढ़ते हों
(c) असमान परिवर्तन हो (d) प्रारम्भ में कम हट्टि हो बाद में अधिक

कि - (b)

07. दिया गया है: स्वामी सम्पत्तियाँ 25 लाख ₹, चालू सम्पत्तियाँ 6 लाख ₹, ऋणपत्र 12 लाख ₹, अविमान अंश ड्रॉजी 5 लाख ₹।
विनिर्भोजित ड्रॉजी होगी।

- (a) 17 लाख ₹ (b) 12 लाख ₹ (c) 29 लाख ₹ (d) 23 लाख ₹

कि - (b)

08. कम्पनी के चिह्नों में प्रकर ऋणपत्रों को विनिर्भोजित ड्रॉजी श्राव कते समय:

- (a) घटाना चाहिए (b) जोड़ना चाहिए (c) कोई समायोजन नहीं करें
(d) औसत लेना चाहिए।

कि - (a)

09. अधिसूचना 24,000 ₹, सामान्य लाभ 15,000 ₹, विनिर्भोजित ड्रॉजी 5 लाख ₹।
वास्तविक औसत लाभ होगा:

- (a) 50,000 ₹ (b) 39,000 ₹ (c) 9,000 ₹ (d) 5,39,000 ₹

कि - (b)

10. विनिर्भोजित ड्रॉजी 2 लाख ₹, वास्तविक औसत लाभ 30,000 ₹, सामान्य दर 10% स्वामि का शुल्क होगा:

- (a) 1,00,000 ₹ (b) 2,00,000 ₹ (c) 20,000 ₹ (d) 30,000 ₹

कि - (c)